

## Assignment

### पूल (पाठ - 1)

प्रश्न 1. गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

- (i) पूल, पूलि, पूली, पूरी आदि की व्यंजनाएँ अलग-अलग हैं। पूल जीवन का यथार्थवादी गद्य, पूलि उसकी कविता है। पूली व्यावादी दृष्टि है, जिसकी वास्तविकता संदिग्ध है और पूरे लोक-संस्कृति का नवीन जागरण है। इन सबका रंग एक ही है, रूप में मित्रता जो भी हो। मिट्टी काली, पीली, लाल तरह-तरह की होती है, लेकिन पूल कटते ही शब्द के पूले-उजले बादलों का स्मरण हो आता है। पूल के लिए श्वेत नाम का विशेषण अनावश्यक है, वह उसका सहज रंग है।

प्रश्न: 1) अनुच्छेद के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

- 2) पूल तथा पूलि के क्या भेद हैं?
- 3) पूल, पूलि, पूली तथा पूरे में क्या समानता तथा क्या विषमता हैं?
- 4) पूल से क्या स्मरण हो आता है? पूल का सहज रंग कौनसा है?
- 5) 'काला' शब्द का कौनसा विपरीत शब्द अनुच्छेद में प्रयुक्त हुआ है?
- 6) लोक संस्कृति का जागरण क्या है?
- 7) 'आवश्यक' का विपरीत शब्द अनुच्छेद से छांटकर लिखिए।